प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड ग्राम प्रधानों हेतु प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम

पंतनगर। 27 जून 2022। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय, समेटी–उत्तराखण्ड, द्वारा 14–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड के प्रत्येक जनपद में प्राकृतिक कृषि विषय पर ग्राम प्रधानों हेतु जागरूकता किया गया, जिसमें मा. प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में आयोजित प्राकृतिक खेती सम्बन्धी राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान रसायनमुक्त अन्न पैदा करने का आह्वान किया गया था। उन्होंने विशेष रूप से कहा था कि इस कृषि को अपनाते हुए धीरे–धीरे जनसमुदाय को रसायनमुक्त उत्पाद उपलब्ध कराने की ओर अग्रसर होंगें। इसी क्रम में भारत सरकार ने प्रथम चरण में देश के 30,000 ग्राम प्रधानों को 750 ऑनलाइन कार्यक्रम द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक करने का निर्णय लिया।

उत्तराखण्ड में जागरूकता कार्यक्रम प्रत्येक दिवस ऑनलाइन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन एवं समापन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा ने प्राकृतिक खेती की महत्ता, लाभ एवं उसकी बारीकियों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए इस नयी विधा को चरणबद्ध क्रम में अपनाने पर बल दिया। समन्वयक, डा. बी.डी. सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक, डा. सुनीता टी. पाण्डे, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), डा. राजीव कुमार, सह प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय, डा. गुरप्रीत सिंह, पशुचिकित्साधिकारी, हरिद्वार एवं प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर, श्री अर्जुन सिंह अत्री (ग्राम–परारा, जिला–सिरमौर, हिमाचल प्रदेश), मास्टर ट्रेनर श्री सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती ग्रुप, डा. राजेश लाठर, कृषि विज्ञान केन्द्र–पंचकुला (हरियाणा कृषि विश्वविद्याल, हिसार) उद्यान वैज्ञानिक आदि द्वारा व्याख्यान दिया गया। इन कार्यक्रमों में संयुक्त निदेशक प्रसार, डा. अनुराधा दत्ता सहित विभिन्न जनपदों के मुख्य कृषि अधिकारी एवं परियोजना निदेशक 'आतमा', जिला पंचायती राज अधिकारियों द्वारा प्राकृतिक खेती सम्बन्धी विचार साझा किये गये। प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम क्रमशः अल्मोड़ा, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, देहरादून, चमोली, हरिद्वार एवं उत्तरकाशी में आयोजित किया गया। इन 14–दिवसीय कार्यक्रमों में कुल 695 ग्राम प्रधानों, प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक जनपद में कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा कृषि सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे गये, जिनका समाधान किया गया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट एवं कु. ज्योति कनवाल का विशेष योगदान रहा।

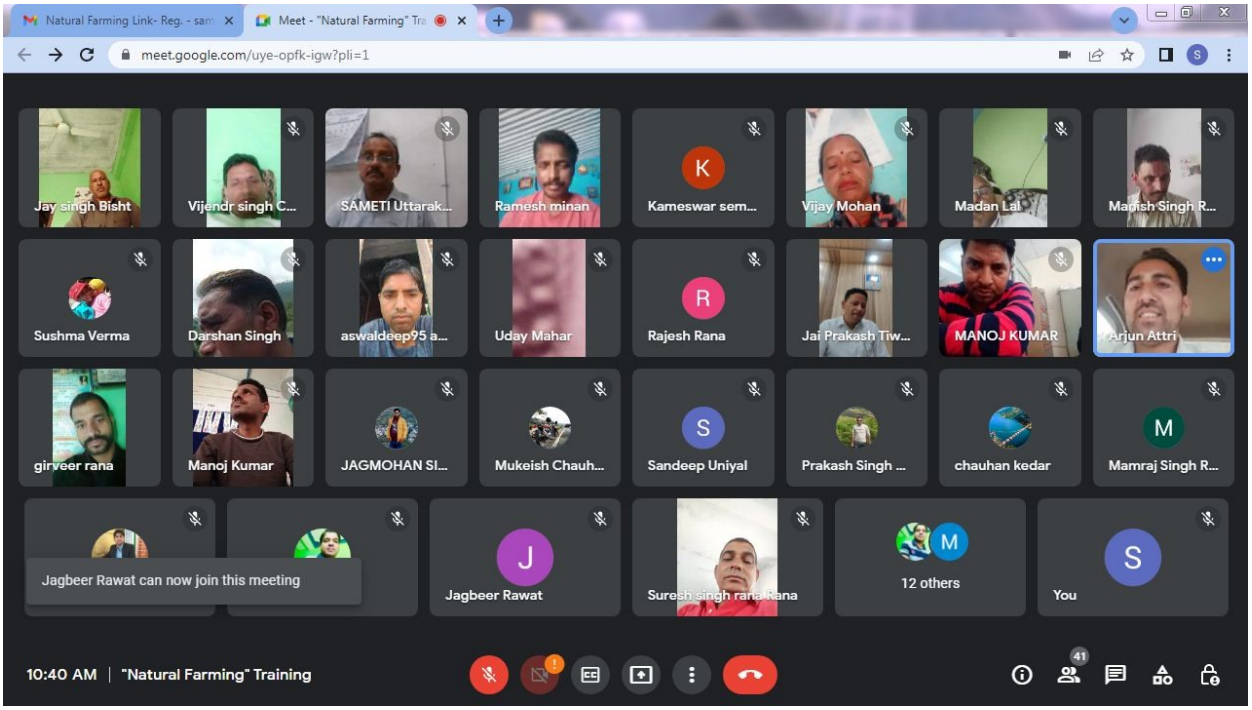

जागरूकता कार्यक्रम में ऑनलाइन ग्राम प्रधान एवं कृषक।